



दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | ಬೆಂಗಳೂರು और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित



5 सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन सबसे गंभीर चुनौती : शाह

6 नायक मनोज सिंह : साधियों पर मंडराया खतरा तो ग्रेनेड से किया आतंकवादी का खात्मा

7 'धिस धिस धिस' को लेकर सुखियां बटोर रही अक्षरा सिंह

फ़ास्ट टैक

सरकार ने शिकायत निवारण के लिए एआई आधारित 'समाधान दीदी' चैटबॉट पेश किया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने शनिवार को सरकारी विभागों के खिलाफ नागरिकों को ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने में मदद के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) आधारित चैटबॉट 'समाधान दीदी' पेश किया। केंद्रीय कार्मिक राज्य मंत्री जितेन्द्र सिंह ने यहां 'समाधान दीदी' चैटबॉट की शुरुआत की और इसे देश में 'जन शिकायत निवारण तंत्र को लोकतंत्र आधारित बनाना' करार दिया। उन्होंने कहा कि यह नागरिकों के लिए सार्वजनिक सेवाओं के उपयोग को आसान बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह चैटबॉट लोक शिकायतों के निवारण को अधिक सरल, सुलभ और बहुभाषी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

सीबीएसई पोर्टल पर साइबर हमला हुआ, 50 बच्चों प्रभावित हुए : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के पुनर्निर्माण पोर्टल की भुगतान प्रणाली पर साइबर हमला हुआ और लगभग 50 छात्र प्रभावित हुए। सरकारी सूत्रों ने शुरुआत को यह जानकारी दी। एक सूत्र ने बताया, पोर्टल पर कुछ लोगों ने अनधिकृत पहुंच हासिल कर ली। पेमेंट गेटवे एचडीएफसी से संबंधित था... लगभग 50 बच्चों प्रभावित हुए। सूत्रों के अनुसार, इस समस्या के कारण पोर्टल पर शुल्क की राशि असामान्य दिखाई देने लगी और कई मामलों में देय राशि लगभग एक रुपये से लेकर लगभग 67,000-68,000 रुपये तक घटती-बढ़ती रही। सूत्र ने बताया, मुझे लगता है कि मजक में या दुर्भावनापूर्ण इरादे से यह किया गया, शुल्क की राशि कभी एक रुपये से कभी 67-68,000 रुपये दिखाई गई। इस तरह लगभग 50 बच्चे ऐसे थे जिनके मामलों में राशि बदल गई थी। यह गड़बड़ी सिस्टम से जुड़े एचडीएफसी के भुगतान गेटवे से संबंधित थी और तब हुई जब पोर्टल 'लाइव' हुआ।

सरकार ने गन्ना नियंत्रण आदेश के मसौदे को वापस लिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 2026 के मसौदे को वापस ले लिया है। विभिन्न राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से प्राप्त आपत्तियों के मद्देनजर इसे पुनः समीक्षा के लिए भेजा जाएगा। खाद्य मंत्रालय ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों/टिप्पणियों के आधार पर यह आवश्यक माना गया है कि गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 2026 के मसौदे पर पुनर्विचार किया जाए।

सरकार ने गन्ना नियंत्रण आदेश के मसौदे को वापस लिया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 2026 के मसौदे को वापस ले लिया है। विभिन्न राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से प्राप्त आपत्तियों के मद्देनजर इसे पुनः समीक्षा के लिए भेजा जाएगा। खाद्य मंत्रालय ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा, राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों से प्राप्त सुझावों/टिप्पणियों के आधार पर यह आवश्यक माना गया है कि गन्ना (नियंत्रण) आदेश, 2026 के मसौदे पर पुनर्विचार किया जाए।

ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयार हैं सशस्त्र बल : जनरल उपेंद्र द्विवेदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शनिवार को कहा कि यदि आवश्यकता पड़े तो सशस्त्र बल 'ऑपरेशन सिंदूर 2.0' के लिए पूरी तरह तैयार हैं। जनरल द्विवेदी ने कहा कि सेना के तीनों अंग उस आधुनिक बहु-आयामी युद्ध की चुनौतियों से निपटने के लिए आपसी समन्वय को और मजबूत कर रहे हैं, जो अब केवल थल, जल और वायु तक सीमित नहीं रह गया है। राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 150वें कोर्स की पासिंग आउट परेड के अवसर पर यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में जनरल द्विवेदी ने कहा कि फिलहाल अस्थायी संघर्षविराम है, लेकिन यदि अगला चरण शुरू होता है तो उससे निपटने के लिए तीनों सेनाएं पूरी तैयारी कर रही हैं। गौरतलब है कि भारत ने



अप्रैल 2025 में हुए पहलगाव आतंकी हमले के जवाब में मई 2025 में पाकिस्तान स्थित आतंकी बांधे को नष्ट करने के लिए ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। पहलगाव आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। फिलहाल अस्थायी संघर्षविराम है। भारतीय सेना और सेना के तीनों अंग ऑपरेशन सिंदूर 2.0 के लिए तैयारियां कर रहे हैं, यदि इसे अंजाम देने की स्थिति बनती है। उन्होंने कहा कि भविष्य के युद्धों पर अंतरिक्ष,

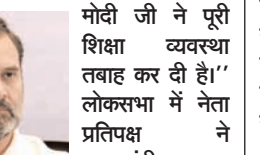
साइबर और मनोवैज्ञानिक एवं सूचना-आधारित युद्ध जैसे उभरते क्षेत्रों का प्रभाव लगातार बढ़ेगा। सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्धक्षेत्र बेहद पारदर्शी हो चुके हैं और लगभग हर गतिविधि पर नजर रखी जा सकती है, ऐसे में सैन्य योजनाकारों को सैनिकों की लेनाती तथा उनकी सुरक्षा को लेकर अत्यंत सतर्क रहना होगा। उन्होंने कहा, "आज की स्थिति में युद्धक्षेत्र 24 घंटे निगरानी में रहता है। यह इतना पारदर्शी हो गया है कि हर गतिविधि दूसरे पक्ष को दिखाई देती है।"

राहुल का प्रधानमंत्री पर निशाना दावे विश्वगुरु के लेकिन देश में एक परीक्षा भी नहीं करवा सकते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर देश की शिक्षा व्यवस्था को 'पूरी तरह से बर्बाद' करने का आरोप लगाया और कहा कि सरकार एक ओर भारत के 'विश्वगुरु' होने का दावा करती है जबकि दूसरी ओर यह एक भी परीक्षा निष्पक्ष और व्यवस्थित तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है।

गांधी की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीई) ने कहा कि भारत भर में स्नातक डिग्री कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए आयोजित होने वाली सामान्य विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा-स्नातक (सीयूईटी-यूजी) 2026 की परीक्षा में तकनीकी खराबी के कारण शनिवार को कुछ केंद्रों पर देरी हुई।



गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "नीट, सीबीएसई, एसएससी और आज सीयूईटी। चार परीक्षाएं। एक करोड़ बच्चे। एक भी (परीक्षा) ईमानदारी से नहीं हो पाई।" गांधी ने कहा, "दावे विश्वगुरु के, लेकिन देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकते - मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है।" लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, "जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं - वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।" गांधी ने शुरुआत को कहा था कि केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) की विफलता पर मोदी की चुप्पी और शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई न करना यह दर्शाता है कि उन्हें केवल अपनी सरकार के अस्तित्व की चिंता है, न कि लाखों छात्रों के भविष्य की।

'फर्जी हस्ताक्षर' मामले में सीआईडी ने अभिषेक को समन भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगाल के अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने शनिवार को वृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी करके जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा है। यह नोटिस उन्हें विधानसभा सचिवालय को सौंपे गए उस पत्र में पार्टी विधायकों के जाली हस्ताक्षरों के कथित इस्तेमाल की जांच के सिलसिले में दिया गया है, जिसमें शोभनदेब चट्टोपाध्याय को नेता प्रतिपक्ष के रूप में समर्थन दिया गया था। सीआईडी सूत्रों के अनुसार, यह नोटिस उन्हें सोमवार दोपहर एजेंसी के भवानी भवन मुख्यालय में पूछताछ के लिए पेश होने का निर्देश देने वाला समन है। यह नोटिस बनर्जी को उनके कालीघाट रोड स्थित आवास पर व्यक्तिगत रूप से सौंपा गया। हालांकि, यह नोटिस कोलकाता की सड़कों पर डेढ़ घंटे की नाटकीय घटनाओं के बाद ही सौंपा गया, जिसने जनता का काफी ध्यान आकर्षित किया।

डीके शिवकुमार चुने गए कांग्रेस विधायक दल के नए नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शनिवार को आधिकारिक घोषणा की है कि डीके शिवकुमार को सर्वसम्मति से कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) का नया नेता चुना गया है। वे अब कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालेंगे। बेंगलूर के विधान सभा में आयोजित कांग्रेस विधायक दल की महत्वपूर्ण बैठक के बाद भीड़िया को संबोधित करते हुए के.सी. वेणुगोपाल ने कहा कि मुझे यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि डी.के. शिवकुमार कांग्रेस विधायक दल के नए नेता चुने गए हैं। कांग्रेस आलाकमान ने इस पद के लिए उनके नाम का प्रस्ताव रखा था। खास बात यह रही कि खुद कार्यवाहक मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने व्यक्तिगत रूप से शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सभी विधायकों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया। वरिष्ठ नेता डॉ. जी. परमेश्वर ने इस प्रस्ताव का समर्थन किया। वेणुगोपाल ने बताया कि डीके शिवकुमार जल्द ही राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का औपचारिक दावा पेश करेंगे। 3 जून

3 जून को लेंगे कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद की शपथ



समर्पण और ईमानदारी के साथ कर्नाटक के लोगों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध : शिवकुमार

कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि वह और उनकी पार्टी समर्पण, ईमानदारी और उद्देश्यपूर्ण भावना के साथ राज्य की जनता की सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष शिवकुमार तीन जून को मुख्यमंत्री पद का कार्यभार संभालेंगे। शिवकुमार ने 'एक्स' पर लिखा, "आज विधान सभा में आयोजित कांग्रेस विधायक दल की बैठक में सर्वसम्मति से विधायक दल का नेता चुने जाने पर मैं विनम्र और सम्मानित महसूस कर रहा हूँ।" उन्होंने कहा, "हम राज्य की जनता की समर्पण, ईमानदारी और उद्देश्यपूर्ण भावना के साथ सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।"

को नए मुख्यमंत्री का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा। सत्ता के इस हस्तांतरण पर उठ रहे सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, कई लोगों को उम्मीद थी कि यह बदलाव कांग्रेस पार्टी के लिए मुश्किलें खड़ी करेगा, लेकिन हम एक परिवार की तरह हैं। हर कोई उत्सुक था कि सिद्धरामय्या की क्या प्रतिक्रिया होगी, लेकिन सिद्धरामय्या ने साफ किया कि उनके दिल में सिर्फ कांग्रेस पार्टी है और वह आलाकमान के फैसले का पूरी तरह पालन करेंगे।

कर्नाटक में शिवकुमार के नेतृत्व में 2028 में फिर सत्ता में लौटेगी कांग्रेस : के.सी. वेणुगोपाल

कांग्रेस महासचिव के.सी. वेणुगोपाल ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक में डी.के. शिवकुमार के नेतृत्व में पार्टी एक बार फिर सत्ता में लौटेगी। यहां आयोजित कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) की बैठक में शिवकुमार को विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे उनके राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। यह बैठक कांग्रेस महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला की उपस्थिति में हुई। बैठक के बाद वेणुगोपाल ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरेगे, पार्टी की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी के मार्गदर्शन में कर्नाटक में सत्ता का सुगम हस्तांतरण हुआ है। उन्होंने कहा, "कर्नाटक में शिवकुमार के नेतृत्व में कांग्रेस 2028 के विधानसभा चुनाव में सिद्धरमैया के समर्थन के साथ एक बार फिर सत्ता में वापसी करेगी।"

सुविधाएँ यात्रियों के लिए अधिक आराम, सहूलियत और सुरक्षा लाती हैं



भारतीय रेल राष्ट्र की 'विकास यात्रा' का विकास इंजन बनेगी।

- नरेंद्र मोदी, प्रधान मंत्री

• अजमपुरा में रोड ओवर ब्रिज
• बिरूर में पैदल यात्रियों के लिए सबसे के लिए शिलान्यास

हसन - सोलापुर एक्सप्रेस के चन्नारायपटना में अतिरिक्त ठहराव को हरी झंडी दिखाकर रवाना

द्वारा **टी. सोमना**
केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री
रविवार, 31 मई 2026

एलसी 138, अजमपुरा 11:30 बजे
वीरूर 12:30 बजे
चन्नारायपटना रेलवे स्टेशन 04:30 बजे

सभी को सादर आमंत्रित किया जाता है

दक्षिण पश्चिम रेलवे
देश की सेवा में

www.swr.indianrailways.gov.in South Western Railways-SWR SWRRLX SWRAILWAYHO sw-railways

आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है भारत का रक्षा क्षेत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि भारत का रक्षा क्षेत्र पूरी तरह से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा रक्षा उत्पादन 2014 के 46 हजार करोड़ रुपये के मुकाबले अगले महीने पौने दो लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा।

सिंह ने अपने संसदीय निर्वाचन क्षेत्र लखनऊ में नौसेना शौर्य वाटिका का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में रक्षा क्षेत्र में भारत की तीव्र प्रगति और रक्षा निर्यात में हुई बढ़ोत्तरी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2014 के पहले भारत में छोटे-मोटे हथियारों के कलपुर्जों का निर्यात केवल एक हजार करोड़ रुपये का था लेकिन अब भारत का रक्षा क्षेत्र पूर्ण रूप से आत्मनिर्भर होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने कहा कि



2014 में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार बनी तब से ही इस बात पर विशेष बल दिया गया कि भारत सही मायनों में सबसे ताकतवर कहलाए ताकि देश की सेनाओं को हथियार के लिए अन्य देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़े। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' और 'डिफेंस कोरिडोर' समेत कई कदमों से यह सुनिश्चित किया गया कि भारतीय सेना के लिए अत्याधुनिक हथियार भारत में ही निर्मित किए जाएं और अगर संभव हो तो हम उन्हें दूसरे देशों को बेच सकें।

सिंह ने कहा, "जब हमने रक्षा क्षेत्र में निर्यात की ओर ध्यान देने की बात कही थी तो कई लोगों ने हमारी इस योजना को बड़ी शंका की नजर से देखा था, क्योंकि भारत का रक्षा क्षेत्र कभी अपने निर्यात के लिए नहीं जाना जाता था, आयात के लिए जाना जाता था।" सिंह ने कहा, "पिछले 10 वर्षों में हम सभी ने मिलकर जो मेहनत की है उसका परिणाम आज हमें मिल रहा है। 2014 में हमारा घरेलू रक्षा उत्पादन मात्र 46 हजार करोड़ रुपये था, लेकिन आज वही बढ़कर डेढ़ लाख करोड़ से अधिक हो चुका है।"

31-06-2026 सुबह 6:42 बजे

31-06-2026 सूर्यास्त 5:52 बजे

BSE 74,775.74 (-1,092.05)
NSE 23,547.75 (-359.40)

सोना 16,231 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम
चांदी 271,990 रु. प्रति किलो

निशान मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
epaper.dakshinbharat.com

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

केलाश मण्डेला, मो. 9828233434

गंटे बयान

टिक रही सियासत मजहब पर, हतप्रभ हिंदू और मुसलमान। जब हैं सब ही हिंदुस्तानी, फिर क्यों देते नेता बयान। वोटों के दलबाजों हरगिज, ना बोलो तुम फिरकी जुबान। है मुल्क सभी का भारत ही, 'जय हिंद' सभी का यशोगान।

कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डीके शिवकुमार को शनिवार को पार्टी विधायक दल का नेता चुन लिया गया, जिससे उनके राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने शनिवार को विधान सभ में हुई बैठक के दौरान विधायक दल के नये नेता के रूप में शिवकुमार के नाम का प्रस्ताव रखा। यह बैठक कांग्रेस महासचिव (संगठन) के. सी. वेणुगोपाल और पार्टी के कर्नाटक मामलों के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला की मौजूदगी में हुई। सूत्रों ने बताया कि हालांकि, नये नेता के चयन के लिए विधायक दल की बैठक के दौरान

10 मिनट का विराम लिया गया और सिद्धरामय्या, वेणुगोपाल और सुरजेवाला सहित शीर्ष नेता विचार-विमर्श के लिए अलग कमरे में चले गए।

कांग्रेस की कर्नाटक इकाई ने शिवकुमार के विधायक दल का नेता चुने जाने की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा कि सिद्धरामय्या ने शिवकुमार का नाम शीर्ष पद के लिए प्रस्तावित किया, जो परमेश्वर ने प्रस्ताव का समर्थन किया और बैठक में सर्वसम्मति से इसे मंजूरी दे दी गई। पार्टी महासचिव (संगठन) के सी. वेणुगोपाल ने शिवकुमार को विधायक दल का नया नेता चुने जाने की घोषणा की। बयान में कहा गया कि बैठक की शुरुआत में, सुरजेवाला ने घोषणा की कि विधायक दल के नये नेता के चयन की प्रक्रिया पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या के प्रस्ताव के आधार पर आगे बढ़ेगी और उन्होंने औपचारिक रूप से कार्यवाही शुरू की।



इसके बाद, सिद्धरामय्या ने एक पंक्ति का प्रस्ताव पेश किया, जिसका परमेश्वर ने अनुमोदन किया और सभी विधायकों ने इसका समर्थन किया। बाद में सुरजेवाला ने 10 मिनट का विराम घोषित किया और वे सिद्धरामय्या एवं वेणुगोपाल के साथ मुख्यमंत्री कक्ष की ओर चले गए। तीनों नेताओं के बैठक कक्ष में वापस लौटने

के बाद, जहां विधायक एकत्र थे, नये नेता के चुनाव की प्रक्रिया को पूरा घोषित कर दिया गया। बयान में कहा गया कि इसके बाद, नवनिर्वाचित विधायक दल के नेता डीके शिवकुमार ने सिद्धरामय्या के कार्यकाल के दौरान उनके द्वारा दी गई सेवाओं की सराहना करते हुए एक प्रस्ताव पेश किया और बैठक का समर्थन मांगा। इसमें कहा गया कि प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

शिवकुमार का नये मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह तीन जून को यहां लोक भवन के ग्लास हाउस में होगा। सिद्धरामय्या सरकार में शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। सिद्धरामय्या ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अगले दिन उनका इस्तीफा स्वीकार करके मंत्रिपरिषद भंग कर दी।

शिवकुमार लंबे समय तक शासन करेंगे : ज्योतिषी

बंगलूरु। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष डीके शिवकुमार जिन प्रख्यात ज्योतिषी पर अत्यधिक भरोसा करते हैं, उन्होंने भविष्यवाणी की है कि वह (शिवकुमार) प्रशासन में शीर्ष पद पर लंबे समय तक बने रहेंगे। ज्योतिषी द्वारकानाथ गुरुजी ने कनकपुरा के विधायक शिवकुमार के नए मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के लिए तीन तिथियां बताई हैं।

गुरुजी ने 'पीटीआर-वीडियो' को बताया, मैंने उन्हें तीन तिथियां दी हैं। मेरा मतलब है, रविवार (31 मई), पांच जून और छह जून। उन्होंने यह भी कहा कि शिवकुमार 2028 के विधानसभा चुनाव के बाद भी सत्ता में लौटेंगे। इस बीच, कर्नाटक में नयी सरकार के गठन को लेकर कांग्रेस नेताओं के बीच शक्यता को गहन विचार-विमर्श जारी रहा। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या का इस्तीफा स्वीकार कर मंत्रिमंडल को भंग कर दिया।

निजी स्कूल में आग लगी, कोई हताहत नहीं

बंगलूरु। बंगलूरु में शनिवार सुबह एक निजी स्कूल की इमारत में आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना सुबह करीब साढ़े नौ बजे नागदेवनहल्ली स्थित एक स्कूल में हुई। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझाने के लिए दमकल की तीन गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। चौथी मंजिल पर स्थित एक सभागार में आग लगने के बाद इमारत में घना धुआं भर गया।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शनिवार होने के कारण स्कूल में नियमित कक्षाएं बंद थीं लेकिन कुछ छात्र परिचय सत्र में शामिल होने आए थे। अधिकारी ने बताया कि स्कूल में मौजूद छात्रों और कर्मचारियों को परिसर से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। प्रारंभिक जांच के अनुसार, आग संभवतः शॉर्ट सर्किट के कारण लगी।

राज्यपाल ने शिवकुमार को 3 जून को कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कांग्रेस विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता डी.के. शिवकुमार को तीन जून को राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए शनिवार को आमंत्रित किया। इससे पहले शिवकुमार ने यहां लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात करके राज्य में नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था। शिवकुमार के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और प्रदेश के अन्य वरिष्ठ नेता थे।

राज्यपाल ने शिवकुमार को लिखे एक पत्र में कहा, "युद्धे आपका 30 मई, 2026 का पत्र प्राप्त हुआ है, जिसमें आपने सरकार बनाने का दावा किया है। मैं आपको

अपनी मंत्रिपरिषद के सदस्यों के साथ कर्नाटक के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के लिए आमंत्रित करता हूँ।" पत्र में कहा गया है कि शपथ ग्रहण समारोह तीन जून, 2026 को शाम चार बजेकर पांच मिनट पर लोक भवन परिसर में होगा। इससे पहले, शिवकुमार को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे उनके राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया। राज्यपाल को लिखे अपने पत्र में शिवकुमार ने अपना दावा पेश करते हुए कहा कि उन्हें कांग्रेस विधायक दल का नेता सर्वसम्मति से चुना गया है। उन्होंने राज्यपाल से अनुरोध किया कि उन्हें मुख्यमंत्री और अन्य सदस्यों को मंत्रिपरिषद के सदस्यों के रूप में शपथ दिलाई जाए। सिद्धरामय्या सरकार में शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया था।



शिवकुमार ने राज्यपाल गहलोत से मुलाकात की, कर्नाटक में नई सरकार बनाने का दावा पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। कर्नाटक में कांग्रेस विधायक दल के नवनिर्वाचित नेता डीके शिवकुमार ने शनिवार को राजभवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात करके राज्य में नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। शिवकुमार के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या और कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी. वेणुगोपाल और कांग्रेस के कर्नाटक मामलों के प्रभारी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला भी थे।

इससे पहले, शिवकुमार को

कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना गया, जिससे उनके राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनने का मार्ग प्रशस्त हो गया। शिवकुमार का नये मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण समारोह तीन जून को यहां लोक भवन के ग्लास हाउस में होगा। सिद्धरामय्या सरकार में शिवकुमार ने उपमुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया। सिद्धरामय्या ने बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था और राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने अगले दिन उनका इस्तीफा स्वीकार करके मंत्रिपरिषद भंग कर दी।

गौरतलब है कि विधायक दल की बैठक के पूर्व भी कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने

शनिवार को यहां लोक भवन में राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात की।

शिवकुमार को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाए जाने की प्रबल संभावना जताई जा रही है। यह मुलाकात कांग्रेस विधायक दल के नेता के रूप में शनिवार शाम उनके संभावित निर्वाचन से पहले हुई। सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार ने नये मुख्यमंत्री और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण को लेकर राज्यपाल से अनौपचारिक चर्चा की क्योंकि राज्यपाल के उपरदृष्टि के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए रविवार को दक्षिण कन्नड़ जिले के धर्मस्थल रवाना होने की संभावना है।



अग्निवीरों ने पासिंग आउट परेड में किया साहस और अनुशासन का प्रदर्शन

बंगलूरु/दक्षिण भारत। मद्रास इंजीनियरिंग ग्रुप एंड सेंटर के परेड ग्राउंड पर शनिवार को 2,181 अग्निवीरों की पासिंग आउट परेड हुई। उन्होंने सख्त प्रशिक्षण के बाद यह मुकाम हासिल किया है। अब वे अदृष्ट लगन के साथ आगे बढ़ने और राष्ट्र की सेवा करने के लिए तैयार हैं। यह समारोह प्रशिक्षण के दौरान विकसित हुए परिवर्तन, अनुशासन, जुझारूपन और जज्बे का प्रतीक था। गोविंदारयामी ड्रिल स्कॉयर पर आयोजित परेड सैन्य सटीकता और अनुशासन का शानदार प्रदर्शन थी। अग्निवीरों ने मिलिट्री बैंड की जोशीली धुनों पर पूर्ण

तालमेल के साथ मार्च किया और अपनी वेशभूषा, आत्मविश्वास तथा ड्रिल के असाधारण मानकों का प्रदर्शन किया। उनके प्रदर्शन ने उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और मद्रास सेपर्स की गौरवशाली परंपरा को दर्शाया। इस अवसर पर विशिष्ट समीक्षा अधिकारी डिग्रेडियर अजय सिंह ठाकुर (कमांडेंट, मद्रास इंजीनियरिंग ग्रुप एंड सेंटर) थे। उन्होंने अग्निवीरों को प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने पर बधाई दी और उनके द्वारा प्रदर्शित समर्पण, दृढ़ संकल्प और लगन की सराहना की। समीक्षा अधिकारी ने सैन्य जीवन में साहस, अनुशासन, ईमानदारी और शौर्य के

महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने युवा सैनिकों को उनके भविष्य के सभी कार्यों में भारतीय सेना के मूल्यों और परंपराओं को बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया। इन सैनिकों के माता-पिता को 'गौरव पदक' से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपने बेटों को 'थंबी सैपर' का रैंक बैज पहनाया। यह उनके प्रशिक्षु से सैनिक बनने के सफर का प्रतीक था। सेंटर ने उनके स्वागत और परिवहन के लिए व्यवस्थाएं की थीं। अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनके साथ गर्मजोशी से बालचीनी की। वे उनके गर्व और खुशी में शामिल हुए।

नए मुख्यमंत्री का शपथग्रहण समारोह तीन जून को लोक भवन में होगा

बंगलूरु/दक्षिण भारत। कांग्रेस की कर्नाटक इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष जी.सी. चंद्रशेखर ने शनिवार को कहा कि कर्नाटक के नए मुख्यमंत्री तीन जून को यहां लोक भवन के



ग्लास हाउस में शपथ लेंगे। राज्यसभा सदस्य चंद्रशेखर ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शुरुआत में शपथग्रहण समारोह के आयोजन स्थल को लेकर भ्रम की स्थिति थी, लेकिन बाद में इसे लोक भवन में आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, "अब यह निर्णय लिया गया है कि शपथग्रहण समारोह तीन जून को आयोजित किया जाएगा।"

सांसद ने बताया कि शपथग्रहण समारोह का सटीक समय बाद में तय कर इसकी घोषणा की जाएगी। उन्होंने कहा, "तीन जून को होने वाला शपथग्रहण समारोह लोक भवन के ग्लास हाउस में आयोजित किया जाएगा।" चंद्रशेखर के अनुसार, राज्य के विभिन्न हिस्सों से लोगों को बंगलूरु

लाकर बड़े पैमाने पर कार्यक्रम आयोजित करने के लिए लगभग 10,000 से 15,000 बस बुक करने पर चर्चा हुई थी, लेकिन ईंधन संकट और यातायात जाम को ध्यान में रखते हुए इस योजना को रद्द कर दिया गया।

उन्होंने कहा, "शपथग्रहण समारोह भव्य या अत्यधिक खर्चीला नहीं होना चाहिए। इसे यथासंभव सादगीपूर्ण तरीके से आयोजित किया जाना चाहिए और इसमें दिखावे या तामझाम के बजाय एक एवं सेवा की भावना झलकनी चाहिए। पार्टी ने निर्णय लिया है और निर्देश जारी किए हैं कि कार्यक्रम सादगी के साथ आयोजित किया जाए।" चंद्रशेखर ने सभी पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों से अपील की कि वे बड़ी संख्या में समारोह स्थल पर पहुंचने का प्रयास न करें और सहयोग करें, ताकि यातायात जाम न हो तथा आम जनता को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

मुख्यमंत्री का पद छोड़ने से पहले 'गृह लक्ष्मी' योजना का बकाया भुगतान करें सिद्धरामय्या : भाजपा नेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक एस. सुरेश कुमार ने कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या से 'गृह लक्ष्मी योजना' के लाभाधिक्यों के लिए कथित तौर पर निर्धारित 5,000 करोड़ रुपये की स्थिति स्पष्ट करने का शनिवार को आग्रह किया। कुमार ने दावा किया कि फरवरी और मार्च 2025 के लिए पात्र परिवारों को इस योजना के तहत भुगतान नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि

सिद्धरामय्या को पद छोड़ने से पहले लाभाधिक्यों को उनकी बकाया राशि का भुगतान कर देना चाहिए। राजाजीनगर के विधायक ने सिद्धरामय्या को लिखे एक पत्र में कहा कि यह मुद्दा सबसे पहले नौ दिसंबर 2025 को बेलगावी के सुवर्ण सोधा में शीतकालीन सत्र के दौरान भाजपा विधायक महेश तेंगिनाकाई द्वारा विधानसभा में उठाया गया था। उन्होंने लिखा कि पांच महीने बीत जाने के बाद भी इसका कोई जवाब नहीं मिला।

सुरेश कुमार ने कहा, "राज्य के खजाने पर पूरा

नियंत्रण रखने वाले व्यक्ति के तौर पर यह आपकी (सिद्धरामय्या) जिम्मेदारी है कि आप राज्य की जनता को फरवरी और मार्च 2025 के 'गृह लक्ष्मी' भुगतानों की स्थिति के बारे में सूचित करें, जो लाभाधिक्यों तक पहुंचने थे। यह किसी भी सरकार की नैतिक जिम्मेदारी का सवाल है।" भाजपा नेता ने कहा कि विधानसभा में तेंगिनाकाई ने आरोप लगाया था कि कांग्रेस सरकार की इस प्रमुख योजना के तहत राज्यभर के परिवारों को फरवरी और मार्च 2025 का भुगतान नहीं मिला, जिसकी कुल राशि 5,000 करोड़ रुपये है।

डीके शिवकुमार : कांग्रेस के संकटमोचक से कर्नाटक के मुख्यमंत्री तक



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बंगलूरु। दोड़्डा अलाहली गांव की धूल भरी गलियों से लेकर कर्नाटक के सर्वोच्च राजनीतिक पद तक, डी.के. शिवकुमार की चार दशक लंबी यात्रा उनके संघर्ष, विजय और कांग्रेस के प्रति अटूट निष्ठा को दर्शाती है। शिवकुमार को 'कनकपुरा बंडे' के नाम से जाना जाता है (यानी कनकपुरा की ग्रेनाइट चट्टान) यह वही विधानसभा क्षेत्र है जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के 'संकट मोचक' के रूप में भी ख्याति अर्जित की है। उन्हें राजनीति में पहला बड़ा मौका 1985 में मिला जब उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर सथानूर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा, हालांकि वे असफल रहे। चार साल बाद, उन्होंने उस निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और 1989 में विधानसभा में प्रवेश किया। तब

से, उन्होंने बिना किसी रुकावट के लगातार आठ विधानसभा चुनाव जीते हैं।

पिछले कुछ वर्षों में, 64 वर्षीय नेता ने स्वयं को कांग्रेस पार्टी के प्रमुख वोकालिगा नेता के रूप में स्थापित किया है। वोकालिगा कर्नाटक के प्रमुख कृषि समुदायों में से एक हैं। कांग्रेस आलाकमान ने 2017 में शिवकुमार के राजनीतिक प्रबंधन कोशल की परीक्षा ली, जब उन्हें राज्यसभा चुनावों से पहले बंगलूरु में गुजरात के 42 कांग्रेस विधायकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई ताकि 'क्रॉस वोटिंग' को रोका जा सके। यह पार्टी नेतृत्व की उम्मीदों पर खरा उतरे और गुजरात से कांग्रेस उम्मीदवार अहमद पटेल ने जीत दर्ज की।

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस घटना ने शिवकुमार को व्यक्तिगत और राजनीतिक रूप से भारी नुकसान पहुंचाया, क्योंकि उस दौरान आयकर विभाग ने उनसे जुड़ी संपत्तियों पर छापेमारी की थी। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि यह कार्यवाही राजनीतिक रूप से प्रेरित थी। इसके बाद प्रवर्तन निदेशालय द्वारा कई छापे और तलाशी अभियान भी चलाए गए। शिवकुमार को तीन सितंबर 2019 को गिरफ्तार कर लिया गया और उन्हें दिल्ली की तिहाड़ जेल में 50 दिनों के लिए रखा गया। हालांकि कई लोगों का मानना था कि कारावास से वह 'डर' जापेंगे या भाजपा के खेमों में चले जाएंगे, लेकिन कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा और भी मजबूत होती नजर आई। उनके संतुलनात्मक कोशल, राजनीतिक दृढ़ता और पार्टी के प्रति प्रतिबद्धता ने कांग्रेस आलाकमान को प्रभावित किया, जिसने उन्हें 2020 में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष नियुक्त किया। शिवकुमार ने कर्नाटक में कांग्रेस के लिए एक कठिन दौर में कार्यभार संभाला। पार्टी ने 2018 के

विधानसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया था, और 2019 के लोकसभा चुनावों में यह झटका और गहरा गया, जब नरेंद्र मोदी लहर के बीच कांग्रेस राज्य की 28 सीटों में से केवल एक सीट जीतने में कामयाब रही। भाजपा ने 26 सीटें जीतीं जिनमें मंड्या से भाजपा समर्थित निर्दलीय उम्मीदवार सुमालता अंबरीश की सीट भी शामिल थी। कांग्रेस को एकमात्र जीत बंगलूरु ग्रामीण से मिली, जिसे शिवकुमार के भाई डीके सुरेश ने जीता। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के एक महीने बाद, एकडी कुमारस्वामी के नेतृत्व वाली कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन सरकार 18 कांग्रेस और जद(एस) विधायकों की अयोग्यता के बाद गिर गई। इनमें से कई विधायक बाद में भाजपा में शामिल हो गए और पार्टी को राज्य में चौथी बार सत्ता में लौटने में मदद की। इसके बाद 18 सीटों पर हुए उपचुनाव कांग्रेस-जद(एस) गठबंधन के लिए किसी बुरे सपने सीरीज रहे, जिसमें भाजपा ने 15 सीटों पर जीत हासिल की।

खराब प्रदर्शन के बाद, तत्कालीन केपीसीसी अध्यक्ष दिनेश गुड्डू राव ने इस्तीफा दे दिया, जबकि सिद्धरामय्या ने कांग्रेस विधायक दल के नेता पद से इस्तीफा दे दिया। इन्होंने परिस्थितियों में कांग्रेस नेतृत्व ने 2020 में अपने भरोसेमंद सदस्यों शिवकुमार की ओर रुख किया, एक ऐसा निर्णय जिसने बाद में राज्य में पार्टी को पुनर्जीवित किया। उनके नेतृत्व में, कांग्रेस ने 2023 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की, और 224 सदस्यीय सदन में 134 सीटें जीतीं। शिवकुमार के अनुसार, निर्दलीय विधायकों के समर्थन से पार्टी की प्रभावी संख्या बाद में बढ़कर 140 हो गई। वर्ष

2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान उन्हें एक और महत्वपूर्ण परीक्षा का सामना करना पड़ा, जहां उन्होंने 2019 में कर्नाटक में कांग्रेस की एक सीट की संख्या को 2024 में नौ सीटों तक बढ़ाकर एक बार फिर अपनी राजनीतिक सूझबूझ का प्रदर्शन किया। 2023 के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस की शानदार जीत के बाद, शिवकुमार को बंगलूरु विकास और जल संसाधन मंत्रालय का प्रभार सौंपते हुए उपमुख्यमंत्री नियुक्त किया गया था। कुछ नेताओं द्वारा राज्य इकाई के नेतृत्व में बदलाव की मांग के बावजूद, वे कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष के भी बने रहे। कांग्रेस द्वारा वर्ष 2023 में सरकार बनाने के कुछ ही समय बाद, सत्ता-साझाकरण व्यवस्था की खबरें सामने आईं, जिससे सिद्धरामय्या पांच साल के कार्यकाल के पहले आधे हिस्से के लिए मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करेंगे, जिसके बाद शिवकुमार पदभार संभालेंगे। दोनों नेताओं ने इस दावे की न तो पुष्टि की और न ही खंडन किया। हालांकि, 20 नवंबर, 2025 को कांग्रेस सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद, नेतृत्व परिवर्तन और सिद्धरामय्या और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष को लेकर अटकलें तेज हो गईं। अंततः, शिवकुमार शनिवार को यहां कांग्रेस विधायक दल के नेता चुने गए और वे तीन जून को कर्नाटक के अगले मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के लिए तैयार हैं।

बंगलूरु दक्षिण जिले के कनकपुरा कस्बे के पास दोड़्डा अलाहली गांव में केम्पेगौडा और गौराम्मा के घर 15 मई, 1962 को जन्मे शिवकुमार ने 1980 के दशक की शुरुआत में अपने कॉलेज के दिनों के दौरान राजनीति में प्रवेश किया। 1993 में शिवकुमार ने उषा से शादी की। इस दंपति की दो बेटियां, ऐश्वर्या और आभरना और एक बेटा, आकाश हैं।

खतरे के समय अंततः हिंसा ही अपनाती पड़ती है, यह काम बखूबी करती है भारतीय सेना : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कहा कि सामान्य जीवन में अहिंसा ही सर्वोच्च धर्म होना चाहिए लेकिन देश और समाज की सुरक्षा के लिए खतरे के सामने अंततः हिंसा ही अपनी पड़ती है और भारतीय सेना यह काम पूरी मजबूती से करती है।

साथ यहां 'नौसेना शौर्य वाटिका' का लोकार्पण करने के बाद अपने सम्बोधन में मुख्यमंत्री ने कहा, "जब सुरक्षा के मोर्चे पर आप मजबूत होंगे तो दुनिया भी आपसे मंत्री करेगी लेकिन आप अगर कमजोर हैं तो याद रख लीजिए कि कमजोर के सामने कोई नहीं झुकता है। हमारी रूढ़ि परंपरा ने भी हमें ऐसी बात की प्रेरणा दी है।" उन्होंने कहा, "भारत की रूढ़ि परंपरा हमें इस बात की प्रेरणा देती है कि 'अहिंसा परमो धर्म', धर्म हिंसा तदैव च।' यानी सामान्य जीवन में अहिंसा

ही सर्वोच्च धर्म होना चाहिए लेकिन अगर सामने वाला देश और समाज की सुरक्षा के लिए खतरा है तो उसके लिए अहिंसा नहीं चल सकती है। उसके लिए तो हिंसा ही हमें अंततः अपनाती पड़ेगी और देश के दुश्मन के लिए यही हमारा धर्म भी है। यही काम भारतीय सेना पूरी मजबूती के साथ करती है।"

आदित्यनाथ ने नौसेना वाटिका का जिक्र करते हुए कहा कि राज्य के युवाओं को नौसेना के इस संग्रहालय के माध्यम से उसके शौर्य को एक नई सोच के साथ देखने,

सुनने और जानने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि आज नौसेना शौर्य वाटिका के पहले चरण के काम का लोकार्पण किया जा रहा है, इसके आगे के कार्य भी आगे बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा, "मेरा मानना है कि भारतीय सेना के जो टैंक आज कार्य कर पाने की स्थिति में नहीं हैं, उन्हें महत्वपूर्ण चौराहों पर रखा जाना चाहिए। वह सेना के शौर्य का प्रतीक बनेगा। इससे युवा के मन में भारतीय सेना में जाने के लिए एक भाव पैदा होगा। राष्ट्रभक्ति

से बढ़कर कुछ भी नहीं हो सकता है।" इससे पहले, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'नौसेना शौर्य वाटिका' का उद्घाटन किया।

अधिकारियों के मुताबिक यह शौर्य वाटिका भारतीय नौसेना की बहादुरी, शौर्य और तकनीकी उत्कृष्टता को समर्पित है। लखनऊ के इकाना स्टेडियम के पास विकसित की गई इस वाटिका में भारतीय युद्धपोत आईएनएस गोमती के साथ-साथ नौसेना से जुड़ी कई चीजों का प्रदर्शन किया जा रहा है।



अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में भारतीय महिलाओं ने जीते 10 पदक

नई दिल्ली/भाषा। भारत की महिला पहलवानों ने वियतनाम के दा नांग में हुई अंडर-17 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 10 पदक जीते जिनमें दो स्वर्ण, तीन रजत और पांच कांस्य पदक शामिल हैं। वीक्षा (43 किग्रा) और गरिमा (73 किग्रा) ने टीम की अगुवाई की। उन्होंने अपने-अपने फाइनल मुकाबलों में जबर्दस्त जीत हासिल करते हुए स्वर्ण पदक जीते। भारत ने निकिता (49 किग्रा), अंतरा (65 किग्रा) और तानिया (69 किग्रा) के ज़रिए तीन रजत पदक भी अपने नाम किए। खादीशा फल्युक के खिलाफ कुड़े मुकाबले वाले फाइनल में हारने के बाद तानिया उप विजेता रह गईं, जबकि निकिता और अंतरा को भी अपने-अपने खिताबी मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद उन्हें रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा। कांस्य पदक जीतने वालों में पलक (40 किग्रा), अनामिका (46 किग्रा), अक्षरा (53 किग्रा), साक्षी (57 किग्रा) और मान्या (61 किग्रा) शामिल हैं। इन सभी ने अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर पौडिया खड़े हुए बनावी। कांस्य पदक मुकाबलों में पलक ने अरुके नुरबेकोवना नुरबेकोवा को, अनामिका ने इंडू बकोड़ा को, अक्षरा ने एमा अरकावा को, साक्षी ने शियिंग वांग को और मान्या ने आइरिस पोलातबे को हराया। पदक की यह शानदार उपलब्धि आयु-वर्ग स्तर पर महिला कुश्ती में भारत की गहवाई और निरंतरता को दर्शाती है। साथ ही यह एशियाई कुश्ती में एक मजबूत ताकत के तौर पर भारत की स्थिति को और भी पुष्टा करती है।



मैं हारी नहीं हूँ, व्यवस्था से लड़ रही हूँ: विनेश फोगाट

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट ने शनिवार को एशियाई खेलों के चयन टायल्स के सेमीफाइनल में मीनाक्षी गोयत से हारकर बाहर होने के बाद कहा कि वह 'हारी नहीं हूँ' और संकल्प लिया कि वह और भी मजबूती से वापसी करेंगी। महिलाओं के 53 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में मीनाक्षी से 4-6 से हारने के बाद विनेश के पहले शब्द थे, "मैं हारी नहीं हूँ।" विश्व चैंपियनशिप की पूर्व पदक विजेता ने कहा, "मैं पूरी व्यवस्था से लड़ रही थी। मैं एक तरफ थी और बाकी सब दूसरी तरफ। मैं आज भी गर्व के साथ मैट पर खड़ी हूँ।" उन्होंने एलान किया कि मां बनने के बाद मुकाबले में वापसी करके और उस व्यवस्था के खिलाफ खड़े होकर उन्होंने पहले ही जीत हासिल कर ली है जिसने उनके मुताबिक उन्हें कुश्ती से दूर रखने की हर मुमकिन कोशिश की थी।

हारने के कुछ ही मिनटों बाद विनेश ने कुश्ती प्रशासन पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने भेदभाव, मानसिक उत्पीड़न और उनके पक्ष में अदालत के आदेशों के बावजूद उन्हें कुश्ती में लौटने से रोकने की कोशिशों का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, "वे मुझे मैट पर लौटने से रोकना चाहते थे, लेकिन मैं फिर से यहां खड़ी हूँ। इन 10 महीनों में मैंने जो कुछ भी हासिल किया है, उस पर मुझे गर्व है।" विनेश ने यह बात भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूफआई) के साथ अपनी लंबे समय से चल रही लड़ाई के संदर्भ में कही। उन्होंने कहा, "मुझे पता है कि यह व्यवस्था मेरे लिए मुश्किलें खड़ी करती रही लेकिन मुझे उम्मीद है कि कड़ी मेहनत से मैं व्यवस्था को पीछे छोड़कर आगे बढ़ सकती हूँ।" और उन्होंने सेमीफाइनल में मिली हार को कोई झटका मानने से इनकार कर दिया। विनेश 2024 पेरिस ओलंपिक के फाइनल से दिल लोटने वाले तरीके से बाहर होने के बाद पहली बार मुकाबले में हिंसा ले रही थी। उन्होंने कहा कि उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि मां बनने के बाद फिर से बड़े मुकाबलों में वापसी करना है। उन्होंने कहा कि मां बनने के बाद और महीनों तक कानूनी और प्रशासनिक लड़ाइयां लड़ने के बाद मुकाबले में वापसी करना उन्हें एक जीत जैसा लगा।

'डबल इंजन' सरकार के सभी लाभ प्राप्त करने के लिए केंद्र के साथ मिलकर काम करेगी बंगाल सरकार: शुभेंदु

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार केंद्र के साथ

मिलकर काम करेगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि राज्य को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित अन्य कई राज्यों की तरह 'डबल इंजन' सरकार के सभी लाभ प्राप्त हों।

केंद्रीय विद्युत तथा आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहरलाल की उपस्थिति में राज्य में 'स्वच्छ एप' की शुरुआत के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि विद्युत एवं शहरी विकास के मामलों में राज्य के पुनर्निर्माण की काफी संभावनाएं हैं। मनोहरलाल ने



शुभेंदु और राज्य की शहरी विकास मंत्री अग्रिमिना पॉल की उपस्थिति में इस एप की शुरुआत की। यह एप प्रौद्योगिकी और नागरिकों की भागीदारी के माध्यम से नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शुभेंदु ने कहा, "मैं पश्चिम बंगाल के लोगों को आश्चर्य करना चाहता हूँ कि हम केंद्र सरकार के हर मंत्रालय के साथ मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि 'डबल इंजन' सरकार के सभी लाभ, जो 20 अन्य राज्यों को मिल रहे हैं, हमारे राज्य को भी मिलें।" मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बार-बार इस बात पर खेद व्यक्त किया है कि स्वतंत्रता के बाद उद्योग और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में अग्रणी होने के बावजूद पश्चिम बंगाल का विकास अपेक्षित गति से नहीं हुआ।



मणिपुर के मुख्यमंत्री ने समावेशी और संतुलित विकास पर जोर दिया

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री याई. खेमचंद सिंह ने शनिवार को कहा कि राज्य सभी प्रगति कर सकता है जब पहाड़ियों और घाटियों में रहने वाले सभी 36 समुदाय मिलकर विकास करें। उन्होंने समावेशी व संतुलित विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। सिंह ने इंफाल में जनजातीय मामलों एवं पहाड़ी विभाग के 'जनजातीय गरिमा उत्सव 2026' के सहित आयोजित पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति (एसटी) योजना के लाभाधिकारों के एक विशेष संवाद सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि छात्रवृत्ति कार्यक्रम का उद्देश्य सामानता को बढ़ावा देना और सभी समुदायों का उत्थान करना है।

सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन सबसे गंभीर चुनौती: अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सीमावर्ती जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन को देश के समक्ष सबसे गंभीर चुनौती बताते हुए इन घटनाक्रमों में सख्त निगरानी एवं नियमित रिपोर्टिंग पर जोर दिया है।

शनिवार को जारी एक आधिकारिक विज्ञापन में कहा गया है कि शाह ने गुजरात के कच्छ जिले में स्थित भुज में शुक्रवार को सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। शाह ने कहा कि सीमा जिलों के प्रशासन को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करनी चाहिए, ताकि मौजूदा घुसपैठियों की पहचान सुनिश्चित की जा सके तथा ड्रोन एवं मादक पदार्थ से जुड़े खतरों पर



निगरानी रखी जा सके। विज्ञापन के अनुसार, शाह ने कहा कि सीमा जिलों में जनसांख्यिकीय परिवर्तन देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती है और पाटन जिलों के जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक शामिल हुए। गृहमंत्री ने कहा कि सीमा क्षेत्रों में ऑटोगिक इकाइयों की स्थापना के कारण लोगों का वापस आना एक स्वागत योग्य घटनाक्रम है व पुलिस थानों से लेकर पटवारियों तक सभी को मिलकर काम करना चाहिए ताकि अवैध घुसपैठियों की पहचान करके उन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया सुनिश्चित की जा सके।

बंगाल: चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी पर अंडे और जूते फेंके

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के सोनारपुर इलाके में चुनाव बाद हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने पहुंचे तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी के साथ शनिवार को कथित तौर पर स्थानीय लोगों ने दुर्व्यवहार किया और उन पर अंडे, जूते तथा पत्थर फेंके गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सांसद पर अज्ञात लोगों ने पत्थर, जूते और अंडे फेंके तथा उनको लात-चूसे मारने की कोशिश भी की। इस दौरान उन्होंने "चोर-चोर" के नारे भी लगाए। टेलीविजन पर प्रसारित वीडियो में बनर्जी को पुलिस की सुरक्षा में इलाके से बाहर ले जाते हुए देखा गया। इस दौरान उन्होंने सुरक्षा के लिए हेलमेट पहना हुआ था और उनकी कमीज फटी हुई थी।

चुनाव बाद हुई हिंसा में जान गंवाने वाले एक व्यक्ति के परिवार से मुलाकात के दौरान बनर्जी ने कहा, "देखिए इन्होंने मेरे साथ क्या किया है। यह पूर्व नियोजित था। इलाके में पुलिस नहीं है। ये मुझे मारना चाहते हैं। जब तक स्थानीय पुलिस अपनी टीम नहीं भेजती और पीड़ितों के परिवारों को सुरक्षा प्रदान नहीं करती, मैं यहां से नहीं जाऊंगा।"

स्थानीय महिलारें झाड़ू और बांस के डंडे लेकर उस टीएमसी कार्यकर्ता के घर के बाहर एकत्र हो



सोनारपुर में अभिषेक बनर्जी पर हुआ हमला निंदनीय, शासक हत्यारे बन गए हैं: ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शनिवार को सोनारपुर में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हुए आरोप लगाया कि इस घटना के पीछे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का हाथ है। पुलिस के मुताबिक, अभिषेक बनर्जी चुनाव के बाद हुई हिंसा के पीड़ितों के परिवारों से मिलने दक्षिण 24 परगना के सोनारपुर इलाके में गए थे, जहां स्थानीय लोगों ने उनके साथ मारपीट की। अज्ञात लोगों ने सांसद पर पत्थर, जूते व अंडे फेंके और उन्हें लात-चूसे मारने की कोशिश भी की। लोग अभिषेक को देखकर 'चोर-चोर' के नारे लगा रहे थे। ममता बनर्जी ने इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर कहा, शासक हत्यारे बन गए हैं, भाजपा को शर्म आनी चाहिए। कथित हमले का वीडियो सामने आने के तुरंत बाद पूर्व मुख्यमंत्री की यह टिप्पणी आई। वीडियो में प्रदर्शनकारी तृणमूल महासचिव को निशाना बनाते देख रहे हैं। तृणमूल नेताओं ने आरोप लगाया कि यह घटना राजनीतिक रूप से प्रेरित थी। उन्होंने भाजपा पर अभिषेक बनर्जी की यात्रा को बाधित करने के लिए इस हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया।



गई, जहां बनर्जी पहुंचे थे। बनर्जी के अनेक खिलाफ नारे लगाए। प्रदर्शनकारी महिलाओं में से एक ने कहा, "वह यहां क्यों आए हैं? जिसके घर वह आए हैं, वह भी चोर है। यह तो चोर का चोर से मिलने जैसा है।" वहीं, एक अन्य प्रदर्शनकारी महिला ने सवाल किया, "अभ्या कांड के समय वह (अभिषेक) कहाँ थे? वह निर्भया के माता-पिता से कितनी बार मिले थे? हमें उनसे जवाब चाहिए।" इस बीच, भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने कहा कि यह घटना वर्षों से 'उत्पीड़न' झेल रहे स्थानीय लोगों के गुस्से का नतीजा हो सकती है।

भट्टाचार्य ने पत्रकारों से कहा, "भाजपा ऐसी गतिविधियों में शामिल नहीं है। लोकसभ में ऐसी घटना की उम्मीद नहीं की जा सकती।" उन्होंने कहा, "मैं यह नहीं बता सकता कि पुलिस यहां क्यों नहीं थी, यह प्रशासन का मामला है। मैं पार्टी से हूँ। टीएमसी ने इन वर्षों में हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ जो किया है, उसका वर्णन नहीं किया जा सकता। हमें आज भी याद है कि उन्होंने रुपा गांगुली के साथ, दक्षिण 24 परगना जिले में हमारे नेताओं के साथ क्या किया था।" इस बीच, पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि केंद्रीय बलों की एक बड़ी टीम सोनारपुर थाने के कर्मियों के साथ, स्थिति को नियंत्रण में करने और बनर्जी को बाहर निकालने के लिए मौके पर पहुंची।

राबड़ी देवी ने अपना बंगला अन्य मंत्री को आवंटित किए जाने पर कहा, 'मुझे बलपूर्वक हटाना होगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने शनिवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को उस बंगले को "बलपूर्वक" खाली कराने की चुनौती दी जिसमें वह एक दशक से अधिक समय से रह रही हैं। राबड़ी देवी ने दो-दूक अंदाज में कहा कि वह अपना बंगला खाली नहीं करेंगी। वर्ष 1997 से 2005 तक आठ साल मुख्यमंत्री रही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की नेता राबड़ी देवी उस समय विफर पड़ीं जब कुछ पत्रकारों ने उनसे भवन निर्माण विभाग के उस आदेश के बारे में पूछा, जिसमें पटना के सकुंलर रोड स्थित बंगला नंबर 10 का आवंटन डेयरी एवं मत्स्य पालन मंत्री नंद किशोर राम को किया गया था।

राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की पत्नी राबड़ी देवी ने नाराजगी जताते हुए कहा, "हां, मैं देख सकती हूँ कि हाल ही में मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी काफ़ी उत्साहित हैं। वह मुझे जबर्न हटा दें। मैं यह बंगला खाली नहीं करने वाली।" दिल्ली से लौटीं राबड़ी देवी से इस घटनाक्रम के बारे में पटना हवाई अड्डे पर सवाल किया गया। दिल्ली में उन्होंने अपने पोते का जन्मदिन मनाया और बताया जा रहा है कि उनके पति वहीं से इलाज के लिए सिंगापुर रवाना हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी बार-बार याद



दिलाती रही हैं कि चौधरी ने अपने करियर की शुरुआत उन्हीं के मंत्रिमंडल में मंत्री के रूप में की थी। राबड़ी देवी ने अपनी कार के अंदर से मीडियाकर्मियों से बात की और इस दौरान नाराज होकर उनके माइक एक तरफ हटा दिए। परिवार को लोक भवन और मुख्यमंत्री आवास से कुछ ही दूरी पर स्थित 10, सकुंलर रोड बंगला राज्य की पूर्ववर्ती नीतीश कुमार सरकार द्वारा आवंटित किया गया था।

कुछ महीने पहले, चौधरी के मुख्यमंत्री बनने से पूर्व भवन निर्माण विभाग द्वारा एक आदेश जारी किया गया था कि यह बंगला अब से केवल मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी काफ़ी उत्साहित हैं। वह मुझे जबर्न हटा दें। मैं यह बंगला खाली नहीं करने वाली।" दिल्ली से लौटीं राबड़ी देवी से इस घटनाक्रम के बारे में पटना हवाई अड्डे पर सवाल किया गया। दिल्ली में उन्होंने अपने पोते का जन्मदिन मनाया और बताया जा रहा है कि उनके पति वहीं से इलाज के लिए सिंगापुर रवाना हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी बार-बार याद

आक्रामक आरसीबी का लक्ष्य लगातार दूसरी ट्रॉफी, फाइनल में मजबूत गुजरात टाइटंस से होगी टक्कर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बंगलूर (आरसीबी) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के सपने को पूरा करने के लिए रविवार को मैदान में उतरेगी जो उसके सामने गुजरात टाइटंस की कड़ी चुनौती होगी, जिससे इस मुकाबले में दो अलग-अलग खेल शैलियों की टक्कर देखने को मिलेगी।

आरसीबी ने अपने आक्रामक और बेखोफ अंदाज से टूर्नामेंट में दबदबा कायम किया है, तो वहीं टाइटंस ने धैर्य और संयमित खेल से प्रभावित करते हुए पांच वर्षों में तीसरी बार फाइनल का टिकट पक्का किया है। कागजों पर मौजूद

चैंपियन आरसीबी को 2022 की विजेता टाइटंस के खिलाफ मजबूत दावेदार माना जा रहा है, क्योंकि इस पूरे टूर्नामेंट में उनका बेखोफ और जोखिम भरा खेल बेहद प्रभावशाली रहा है। यह आक्रामक रणनीति कभी-कभी टीम को मुश्किल में भी डालती रही है, लेकिन विराट कोहली, देवदत्त पडिकल, टिम डेविड, कप्तान रजत पाटीदार, उपलब्ध रहने पर फिल साल्ट और येंकटेश अय्यर ने लगातार आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की है।

पहले क्रालीफायर में आरसीबी ने इसी बेखोफ अंदाज से टाइटंस को शिकस्त दी थी। पिच की स्थिति या विरोधी गेंदबाजी रणनीति का भी उनके इस आक्रामक रवैये पर बहुत कम असर पड़ा है, और इस सत्र में कोई अन्य टीम उतनी बार 200 से अधिक रन नहीं बना सकी है जितनी बार आरसीबी ने बनाए हैं।

कप्तान रजत पाटीदार की शांत और संतुलित नेतृत्व शैली ने भी पिछले दो सत्रों में टीम को स्थिरता दी है। वह पूर्व कप्तानों विराट कोहली या फाफ डु प्लेसिस जितने भावनात्मक रूप से मुखर नहीं हैं, लेकिन उनके फैसलों में भी डालती रही है, लेकिन उनके फैसलों में आत्मविश्वास झलकता है, जिससे टीम के अनुभवी और युवा खिलाड़ी दोनों सहज महसूस करते हैं।

आरसीबी की गेंदबाजी इकाई भी इस बार किराफायती और प्रभावी रही है, जिसने पावरप्ले में ही विरोधी बल्लेबाजों पर दबाव बनाया है। भुवनेश्वर कुमार की अगुवाई वाली इस गेंदबाजी को गुजरात टाइटंस के शानदार लय में चल रहे शीर्ष क्रम के खिलाफ अपने सर्वोच्च स्तर पर प्रदर्शन करना होगा। दूसरी ओर, इस टूर्नामेंट में जहां अधिकांश टीमों पावरप्ले में 11-12 रन प्रति ओवर की रफ्तार से



दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

टीमें
आरसीबी: रजत पाटीदार (कप्तान), विराट कोहली, टिम डेविड, जैकब बेथेल, रोमारियो शेफर्ड, जोशा हेजलवुड, नवान तुषार, देवदत्त पडिकल, जितेश शर्मा, कुणाल पंड्या, रसिद खान, भुवनेश्वर कुमार, जॉर्डन कांसव, सुशय शर्मा, येंकटेश अय्यर, रवॉनल सिंह, जैकब डफी, कनिष्क चौहान, अभिनंदन सिंह, मंगेश यादव, फिल साल्ट, सात्विकदेसवाल, विकी ओस्टवाल, विहान मल्होत्रा।
गुजरात टाइटंस: साई सुदर्शन, शुभमन गिल (कप्तान), शाहरुख खान, अनुज रावत, जोस बटलर, कुमार कुशाभ, टॉम बेंटन, एलेन फिलिप्स, जेसन होल्डर, निशांत सिंधु, राहुल तेवतिया, यॉशिंगटन सुंदर, साई किशोर, जयंत यादव, अरशद खान, शाहरुख खान, मानव सुथार, राशिद खान, मोहम्मद सिराज, कगिसो रबाडा, प्रसिद्ध कृष्णा, इशांत शर्मा, गुरुर बराड, अशोक शर्मा, ल्यूक दुड, पृथ्वी राज यादव।
मैच शाम 07:30 बजे से खेला जायेगा।

खेल रही हैं, वहीं गुजरात टाइटंस के सलामी बल्लेबाज कप्तान शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने अपेक्षाकृत संयमित रफ्तार अपनाई है, जो नौ रन प्रति ओवर से थोड़ा अधिक रही है। यह पारंपरिक रणनीति इस्तेमाल भी है क्योंकि गुजरात का मध्यक्रम अपेक्षाकृत कमजोर है और टीम की बल्लेबाजी का अधिकांश भार शीर्ष तीन बल्लेबाजों (गिल, सुदर्शन और जोस बटलर) पर ही रहता है। इसके बावजूद इन तीनों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। गिल ने 722 रन (स्ट्राइक रेट 163), सुदर्शन ने 710 रन (स्ट्राइक रेट 159) और बटलर ने 507 रन (स्ट्राइक रेट 157) बनाए हैं। अब उन्हें एक बार फिर उसी अहम मुकाबले में जिम्मेदारी निभानी होगी। इस सत्र में गुजरात का चरित्र रिकॉर्ड (सात में से पांच जीत) टीम को थोड़ा आत्मविश्वास जरूर देता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारत ने बांग्लादेश मुक्ति संग्राम में जिया की 'प्रेरक' भूमिका को याद किया

ढाका/भाषा। बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान की शनिवार को 45वीं पुण्यतिथि पर ढाका स्थित भारतीय उद्योगों ने 1971 के मुक्ति संग्राम में उनकी भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय भारत बांग्लादेश की जनता के साथ खड़ा था और आज भी दोनों देशों के साझा हितों के साथ उसी तरह सहयोग करता है।

मिशन ने एक बयान में कहा, हम मार्च 1971 के उनके प्रसिद्ध रेडियो संबोधन को याद करते हैं, जिसने जनता में जोश भरा, उन्हें उत्पीड़न के खिलाफ प्रतिरोध के मार्ग पर प्रेरित किया और राष्ट्रीय मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया।

बयान में जियाउर रहमान को राष्ट्र के सबसे बहादुर पुत्रों में से एक बताया गया। इसमें कहा गया, तब की तरह आज भी, भारत दोनों देशों के लोगों के साझा बलिदान और उनकी समृद्धि व प्रगति की साझा यात्रा में बांग्लादेश की जनता के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। वर्ष 1971 में

पाकिस्तानी सेना में भेज रहे जियाउर रहमान ने दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव के बाहरी इलाके में स्थित अस्थायी 'स्वाधीन बेदार केंद्र' से प्रसारित एक रेडियो संबोधन में बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की ओर से बांग्लादेश की स्वतंत्रता की घोषणा की थी।

उनका यह संबोधन 25 मार्च 1971 की रात ढाका और अन्य प्रमुख शहरों में पाकिस्तानी सैनिकों द्वारा 'ऑपरेशन सर्चलाइट' शुरू किए जाने के बाद आया था। उन्होंने 1971 के अपने रेडियो

संबोधन में कहा था, मैं, मेजर जिया, हमारे महान नेता, फरवरी 2026 के चुनाव के बाद सत्ता में लौटी, जिसके बाद उनके पुत्र तारिक रहमान अब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं।



मुजीबुर रहमान के नाम पर मैं सभी बांग्लादेशियों से पश्चिमी पाकिस्तान की सेना के हमले के खिलाफ उठ खड़े होने का आह्वान करता हूँ। हम अपनी मातृभूमि को मुक्त कराने के लिए अंतिम सांस तक लड़ेंगे। अल्लाह के फजल से विजय हमारी होगी। जय बांग्ला।

स्वतंत्रता के बाद जियाउर रहमान ने 1978 में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) का गठन किया और 1981 में अपनी हत्या तक राष्ट्रपति पद पर रहे।

उनकी पत्नी खालिदा जिया ने बाद में पार्टी का नेतृत्व किया और प्रधानमंत्री बनीं। बीएनपी फरवरी 2026 के चुनाव के बाद सत्ता में लौटी, जिसके बाद उनके पुत्र तारिक रहमान अब बांग्लादेश के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

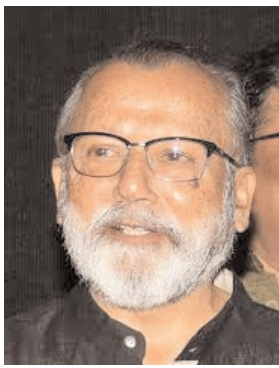
प्रदर्शन



नई दिल्ली में शनिवार को नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के सदस्य नई दिल्ली के पटपड़गंज में सीबीएसई हेडक्वार्टर के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए।

एक-एक डायलॉग के लिए घंटों मेहनत करते थे पंकज कपूर

मुंबई/एजेन्सी



अभिनेता पंकज कपूर ने अभिनय को सिर्फ पेशा नहीं, बल्कि एक कला की तरह जिया। उनके निभाए किरदार आज भी लोगों के दिलों में जिंदा हैं। चाहे उनका टीवी का मशहूर जासूस 'करमचंद' का किरदार हो, भ्रष्ट व्यवस्था से परेशान 'मुसद्दी लाल' की भूमिका हो। उन्होंने कई गंभीर और दमदार किरदार निभाए। वह अपने किरदार को असली दिखाने के लिए दर्जनों

बार रिहर्सल करते थे। कई बार दूसरे कलाकार थक जाते थे, लेकिन पंकज तब तक संतुष्ट नहीं होते थे जब तक सीन बिल्कुल वैसा उनके मन के मुताबिक न हो जाए। यही परफेक्शनवाद में उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया। पंकज कपूर का जन्म 29 मई 1954 को पंजाब के लुधियाना में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और मंच की दुनिया आकर्षित करती थी। पढ़ाई में अच्छे होने के बावजूद उनका मन अभिनय में ही लगता था। उन्होंने राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) में दाखिला लिया और वहीं से अभिनय की बारीकियां सीखीं। एनएसडी से निकलने के बाद उन्होंने कई साल थिएटर किया। साथी कलाकार बताते थे कि अगर किसी डायलॉग में थक डीक से नहीं आ रहा हो तो पंकज उसे बार-बार

बोलते थे, जब तक कि वह पूरी तरह संतुष्ट न हो जाए। उनकी यही मेहनत उन्हें फिल्मों तक लेकर गई। पंकज कपूर को पहला बड़ा मौका रिचर्ड एटनबरो की फिल्म 'गंधी' से मिला। इस फिल्म में उन्होंने प्यारेलाल नय्यर का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने श्याम बेनेगल की 'आरोहण', 'मंडी' और कुंदन शाह की 'जाने भी दो यारो' जैसी फिल्मों में काम किया।

फिल्म 'एक डॉक्टर की मौत' में पंकज कपूर ने वैज्ञानिक डॉ. दीपांकर रॉय का किरदार निभाया था। इस भूमिका के लिए उन्होंने लंबे समय तक रिसर्च की थी। बताया जाता है कि वह शूटिंग के दौरान खुद को बाकी लोगों से थोड़ा अलग रखते थे, ताकि किरदार की अकेलेपन और संघर्ष वाली भावना

प्रचार



एक्टर रश्मिका मंदाणा, शाहिद कपूर और कृति मुंबई में अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान सैन।

'घिस घिस घिस' को लेकर सुर्खियां बटोर रही अक्षरा सिंह

मुंबई/एजेन्सी



भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय अभिनेत्री अक्षरा सिंह इन दिनों हालिया रिलीज सॉन्ग 'घिस घिस घिस' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस गाने में अभिनेता अक्षय कुमार के साथ उनकी जोड़ी को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है। अक्षरा को अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम के जरिए खुशी जाहिर करते हुए बताया कि वे ट्रेंड कर रही हैं। अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक्स ट्रेंडिंग का स्क्रीनशॉट पोस्ट किया, जिसमें लिखा है कि अभिनेत्री एंटरटेनमेंट में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही हैं। उन्होंने स्क्रीनशॉट शेयर करते हुए लिखा, ये तो मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं ट्रेंड में रहूंगी। अक्षरा सिंह और अक्षय कुमार का गाना 'घिस घिस घिस' उनकी बॉलीवुड में धमाकेदार शुरुआत का प्रतीक है। यह एक शानदार बॉलीवुड-भोजपुरी पर्यूनन है। इसे विक्रम मॉन्ट्रिडी और सुप्रिया पाठक ने गाया

है और इसके बोल अभिनव शेखर ने लिखे हैं। गाना बहुचर्चित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का हिस्सा है, जिसमें वह अक्षय कुमार के साथ डांस करती नजर आ रही हैं। अहमद खान द्वारा निर्देशित बहुचर्चित हिंदी कॉमेडी ड्रामा फिल्म, 'वेलकम' फ्रेंचाइजी का बहुप्रतीक्षित तीसरा भाग है, जिसमें

अक्षय कुमार सहित 30 से अधिक सितारे नजर आएंगे। इससे पहले फिल्म का टाइटल ट्रैक रिलीज किया गया था। यह फिल्म अपनी पिछली दोनों फिल्मों (वेलकम और वेलकम बैक) से बिल्कुल अलग और नए अंदाज में है। फिल्म में एक अनोखा ट्विस्ट है। इसमें एक जंगल के बीच एक 'फेक फिल्म' (फिल्मी झूठा और अंदर फिल्म) की शूटिंग का कॉन्सेप्ट दिखाया जाएगा, जिसमें सेना (आर्मी) और वॉर का एंगल भी शामिल है।

फिल्म में बॉलीवुड की एक बहुत बड़ी स्टार कास्ट शामिल है। इसमें अक्षय कुमार के साथ-साथ सुनील शेट्टी, संजय दत्त, परेश रावल, जैकी श्रॉफ, दिशा दत्तानी, लारा दत्ता, रवीना टंडन और राजपाल यादव जैसे कई दिग्गज कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। अब देखा होगा कि रिलीज के बाद ये दर्शकों को कैसा अनुभव देगी।

'अंडर 18' में किच्चा सुदीप की एंट्री, सच्ची घटनाओं पर आधारित होगी ऐश्वर्या राजेश-विक्रम की फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों निर्देशक कार्तिक पेरुमल स्वामी की नई फिल्म 'अंडर 18' लगातार चर्चा में बनी हुई है। फिल्म की कहानी को लेकर लोगों के बीच पहले से ही काफी उत्सुकता थी, लेकिन अब इसमें सुपरस्टार किच्चा सुदीप की एंट्री ने उत्साह को और बढ़ा दिया है। मेकर्स ने गुरुवार को सोशल मीडिया पर इसका आधिकारिक एलान किया। फिल्म को प्रोड्यूस कर रही एसआर प्रोडक्शंस ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए किच्चा सुदीप का स्वागत किया। पोस्ट में लिखा, "बादशाह आ चुके हैं। पावरहाउस परफॉर्मर किच्चा सुदीप का 'अंडर 18' में स्वागत है। सफर में एक बड़ा बदलाव अब शुरू होता है।" फिल्म से उनके जुड़ने के एलान के बाद सोशल मीडिया पर फैंस के बीच काफी उत्साह देखने को मिला। लोग अब यह जानने के लिए और ज्यादा उत्सुक हैं कि फिल्म में किच्चा सुदीप का किरदार कैसा होगा।

कठिन शुरुआत के बाद सब छोड़कर घर चली गई थी : ईशा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

मनोरंजन जगत की चर्चाओं में नया नाम बनाना आसान नहीं है। किरत और मेहनत के दम पर काम तो मिल जाता है, लेकिन इंडस्ट्री की थका देने वाली भागदौड़ और तनाव भरी जिवंदगी के कारण कई लोग यहां से दूरी बना लेते हैं।

ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री ईशा सिंह के साथ हुआ था। अभिनेत्री ईशा सिंह ने आईएनएस के साथ बातचीत में बताया कि उनका शुरुआती सफर बेहद मुश्किलों और चुनौतियों से भरा रहा था। अभिनेत्री ने शुरुआती दिनों के संघर्ष को याद करते हुए बताया, मेरा शुरुआती दौर यकीनन बहुत मुश्किलों भरा था। एक वक्त तो ऐसा भी था, जब परेशान होकर मैंने अपना पहला शो बीच में ही छोड़ दिया था और वापस अपने घर भोपाल चली गई थी, लेकिन मेरा मानना है कि भगवान ने मेरे लिए कुछ और ही सोच रखा था। उनकी कृपा और मेरी मेहनत की वजह से ही आज मैं इस मुकाम पर खड़ी हूँ। हालांकि, ईशा ने ये भी स्पष्ट किया कि इंडस्ट्री में उन्हें लोगों का भी बहुत साथ मिला और कभी आउटसाइडर जैसा महसूस नहीं हुआ। उन्होंने बताया, मुझे यहां पर बहुत अच्छे लोग मिले, जिन्होंने कभी यह एहसास होने नहीं दिया कि मैं बाहर से आई हूँ। हां, शुरुआत में कुछ मुश्किलें आईं क्योंकि मैं बिल्कुल नई थी और काम सीख रही थी, लेकिन तब से लेकर अब तक मैंने एक लंबा सफर तय किया है। दर्शकों ने मुझे जो प्यार दिया उसके लिए मैं उनकी शुक्रगुजार हूँ।

अभिनेत्री ईशा सिंह कई म्यूजिक वीडियोज और रियलिटी शो बिग-बॉस में भी नजर आ चुकी हैं, जहां उन्हें दर्शकों से प्यार मिला, तो कई बार ट्रोपिंग का भी सामना करना पड़ा। ट्रोपिंग को लेकर अभिनेत्री का कहना है,

रियलिटी शोज आपको जनता के सामने एक खुली किताब की तरह रख देते हैं। लोग लगातार आपकी आलोचना करते हैं, लेकिन अब मैंने सीख लिया है कि इन नकारात्मक बातों का खुद पर असर न होने दें। आज मैं मानसिक और भावनात्मक, दोनों ही स्तर पर पहले से कहीं ज्यादा मजबूत हो चुकी हूँ। अभिनेत्री ईशा सिंह से पूछा, खबरें हैं कि आप अपने आने वाले किसी प्रोजेक्ट में एक 'ऑटिस्टिक' किरदार निभाती हुईं नजर आ सकती हैं। आपको इस तरह के संवेदनशील विषयों की ओर क्या चीज आकर्षित करती है? अभिनेत्री ने इस सवाल का जवाब देते हुए कहा, यह एक बहुत ही खूबसूरत प्रोजेक्ट है और सही समय आने पर मैं इसके बारे में जरूर बात करूंगी, लेकिन अभी के लिए, मेरा पूरा ध्यान सिर्फ 'ऑटिस्टिक' पर ही केंद्रित है। यह एक इमोशनल और बेहद प्रभावशाली फिल्म है और मैं चाहती हूँ कि दर्शक इसे सिनेमाघरों में जाकर जरूर देखें।

सैफई आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने किया दुनिया की सबसे बड़ी पिताशय पथरी निकालने का दावा

इटावा (उप्र)/भाषा। सैफई विश्व उच्च प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय ने न्यूतम चीर-फाड़ वाली लेप्रोस्कोपिक प्रक्रिया के जरिये एक बुजुर्ग महिला के पिताशय का आपरेशन करके 'दुनिया की सबसे बड़ी' पथरी को सफलतापूर्वक बाहर निकालने का दावा किया है।

विश्वविद्यालय के एक बयान के अनुसार शल्य चिकित्सकों ने लेप्रोस्कोपिक प्रक्रिया के जरिये पिताशय की एक ऐसी पथरी को सफलतापूर्वक निकाला है, जिसे

दुनिया की सबसे बड़ी पिताशय की पथरी बताया जा रहा है।

बयान के अनुसार 200 ग्राम की यह पथरी 14सेंटीमीटर (सेमी) लंबी, 8.3 सेमी चौड़ी तथा 4.2 सेमी मोटी थी जिसे 'गैरट्रो सर्जन' डॉक्टर कन्हैया लाल चौधरी और उनकी टीम ने 62 वर्षीय एक महिला मरीज के पिताशय से निकाला।

बयान में दावा किया गया है कि सैफई में निकाली गई यह पथरी, त्रिनिदाद और टोबैगो में लेप्रोस्कोपी के जरिये पहले निकाली गई एक

अन्य पथरी से भी बड़ी थी। बयान के अनुसार एक मेडिकल जर्नल में दर्ज जानकारी के अनुसार उस पथरी का आकार 12.8 सेमी लंबा एवं सात सेमी चौड़ा था और उसका वजन 178 ग्राम था।

विश्वविद्यालय ने बताया कि इतनी ज्यादा बड़ी पिताशय की पथरी को अमर्तौर पर 'ओपन सर्जरी' (पेट खोलकर की जाने वाली सर्जरी) के जरिए ही निकालने के लिए उपयुक्त माना जाता है, क्योंकि इसमें कई तकनीकी चुनौतियां शामिल होती हैं।



अनुपम खेर ने शुरु की 'श्री राम भूमि' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर इन दिनों अपनी नई फिल्म 'श्री राम भूमि' को लेकर सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि यह फिल्म आस्था, बलिदान, सयाई और आधुनिक भारत के एक बेहद अहम अध्याय को बड़े पैमाने पर दिखाएगी। फिल्म को जी स्टूडियोज, डॉसिंग शिवा फिल्मस और सिनेकोर्न एंटरटेनमेंट मिलकर बना रहे हैं। इस फिल्म का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता निर्देशक कामाख्या नारायण सिंह कर रहे हैं। फिल्म में अनुपम खेर के साथ एक्टर क्रांतिक भोमिक और अभिनेत्री अमृता खानविलकर भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगी। हालांकि मेकर्स ने अभी फिल्म की

कहानी को पूरी तरह गुप्त रखा है, लेकिन फिल्म के नाम ने ही दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ा दी है। मेकर्स ने फिल्म की शुरुआत के मौके पर सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों में पूरी टीम पूजा समारोह के दौरान नजर आई। पोस्ट में लिखा, "यह सिर्फ एक टाइटल नहीं बल्कि भावनाओं से जुड़ी कहानी है, जिसकी यात्रा अब शुरू हो चुकी है।"

सोशल मीडिया पर फैंस भी फिल्म को लेकर अपनी उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं। कई लोगों का मानना है कि अनुपम खेर एक बार फिर किसी दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म के अलावा अनुपम खेर अपनी पुरानी सुपरहिट फिल्म 'खोसला का घोसला' के रीक्रल को लेकर भी चर्चा में हैं। साल 2006 में रिलीज हुई इस

फिल्म को दर्शकों ने बेहद पसंद किया था।

अब इसके दूसरे पार्ट में अनुपम खेर एक बार फिर अपने लोकप्रिय किरदार कमल किशोर खोसला के रूप में दिखाई देंगे। 'खोसला का घोसला 2' का निर्देशन दिवाकर बनर्जी करेंगे। फिल्म में पहले पार्ट के कई पुराने कलाकार भी वापसी करने वाले हैं। इसमें गोपन ईरानी, हृदयपरवीन डबास, रणवीर शौरी, किष्ण जुनेजा और तारा शर्मा जैसे कलाकार शामिल हैं। वहीं अभिनेता रवि किशन भी फिल्म में एक अहम भूमिका निभाते नजर आएंगे। अनुपम खेर निर्देशक सूरज बड़जात्या के साथ भी एक नई फिल्म पर काम कर रहे हैं। हालांकि अभी इस फिल्म का नाम और कहानी सामने नहीं आई है।



भक्तों की कथा श्रवण करने से जीवन में खुशहाली व सुख समृद्धि आती है : कथा वाचक पवन महाराज

माहेश्वरी भवन में चल रही है 'नानीबाई का मायरा' कथा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। अखिल भारतीय महिला कर्नाटक प्रांतीय दाधीच महिला प्रकोष्ठ, बेंगलूर शाखा की महिला सदस्यों द्वारा शुक्रवार से माहेश्वरी भवन में 'नानीबाई का मायरा' कथा का शुभारंभ हुआ। पहले दिन शुक्रवार को माहेश्वरी भवन में कथा का प्रारंभ कलश यात्रा व पोथी यात्रा के साथ हुआ। कथा शुरू करते हुए कथा वाचक पवनजी मालोदिया द्वारा कथा का शुभारंभ किया गया। उन्होंने कहा कि भगवान की कथा से जीवन का कल्याण होता है परन्तु भक्तों की कथा करने से श्रवण करने से जीवन में खुशहाली व सुख समृद्धि आती है। उन्होंने भक्त नरसी जी की कथा/1 प्रारंभ करते हुए कहा कि नरसी जी भगवान कृष्ण के परम भक्त थे और वे जो भी कार्य करते थे प्रभु श्रीकृष्ण को समर्पित होकर करते थे। उन्होंने अपनी सारी धन दौलत प्रभु भक्ति में खर्च कर दी और स्वयं श्रीकृष्ण रूपी सम्पत्ति की प्राप्ति की थी। कथा जीवन को जीने की कला सिखाती है। इककथा वाचक

पवनजी महाराज ने कथा को आगे बढ़ाते हुए शनिवार को कहा कि जीवन में सुख-दुख का आना कर्म के कारण है। कथा वाचक ने नरसी की कथा का संदर्भ देते हुए कहा कि जो भगवान के भजन के लिए जन्म लेते हैं उनके जीवन की देखभाल स्वयं भगवान करते हैं। भगवान का भजन करने वाला भक्त होता है और भक्त की सेवा करने वाला भाग्यशाली होता है। कथा वाचक ने कहा कि हर सनातनी को अपने अपने घर पर मुख्य दरवाजे का प्रभु का चिन्ह या निशान बनाकर रखना चाहिए, क्योंकि प्रभु अपने भक्त के घर के मुख्य द्वार पर अपना चिन्ह या निशान देखकर उस घर जरूर जाते हैं। उन्होंने कहा कि हर सनातनी को घर के मुख्य द्वार पर तुलसी का पौधा लगाना चाहिए क्योंकि तुलसी पौधा रखने से घर में लक्ष्मी का वास होता है। कथा वाचक ने कहा कि जो भगवान को समर्पित हो जाता है उसकी हर इच्छा को पूर्ण स्वयं प्रभु करते हैं। जब नानीबाई के यहां मायरा भरने से मायरा सामग्री की सूची आई तो नरसी जी ने उस सूची को भगवान को अर्पण कर दिया और कहा कि

प्रभु अब सब कुछ तेरा है और अब यह सूची है इसे तुझे ही संभालना है। कथा वाचक ने कहा कि भक्त के लिए भगवान अवश्य आते हैं और भक्त के वश में होते हैं भगवान। इककथावाचक पवनजी महाराज ने अंजार नगर में नरसिंगजी द्वारा लाए मायरे की सामग्री की जानकारी दी। इककथा में राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारी लक्ष्मीनारायण दाधीच, संजीव व्यास, प्रमिला तिवारी, प्रिया शर्मा, मंजुलता व्यास, निर्मला दाधीच, दर्शना व्यास सहित बेंगलूर के दाधीच समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों ने व्यासपीठ की पूजा की तथा कथा वाचक पवनजी मालोदिया से आशीर्वाद प्राप्त किया। कथा में कर्नाटक दाधीच महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष सुष्मा आसोपा, उपाध्यक्ष रमा भेडा, महामंत्री ममता दाधीच, सचिव देवयानी सुंडवाल, संगठन मंत्री सीमा मुंडेल, संघटन मंत्री निमा बगडिया, कोषाध्यक्ष पूनम जोशी, प्रचार मंत्री रचना सुंडवाल आदि सदस्यों ने व्यवस्था संभाली। रविवार को सुबह 10 बजे से कथा का शुभारंभ होगा।

ज्ञान का अभ्यास करते हुए जड़मति भी विद्वान बन सकता है : संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूर/दक्षिण भारत। शहर के शूले के महावीर जैन भवन में विराजित श्री ज्ञानमुनिजी ने अपने प्रवचन में कहा कि ज्ञान का अभ्यास करते हुए जड़ मति यानी अल्प ज्ञानी भी विद्वान बन सकता है। जैन साधक को सामायिक आराधना में आगम शास्त्रों का स्वाध्याय करना चाहिए। बूढ़ बूढ़ ज्ञान सीखने से भी घड़ा भर जाता है। मुनिश्री ने कहा कि आज जैन समाज के पास बड़े

बड़े आलीशान आराधना और स्थानक भवन हैं। अलमारियों में आगम शास्त्रों और धार्मिक पुस्तकों के भंडार हैं, लेकिन आज इनका सदुपयोग करना नितान्त आवश्यक है। जैसे धागे में लगी हुई सूई को खोने का डर नहीं होता, उसी तरह ज्ञान, जीवात्मा साथ सदैव रहता है। प्रवचन से पहले भावक श्राविकाओं ने नवकार मंत्र का सामूहिक जाप करवाया। धार्मिक सभा में शूले के अलावा, अलसूर, शांतिनगर, आस्टीन टाउन से अनेक श्रद्धालुओं ने भाग लिया।



अब धर्म और समाज को बचाने के लिए करना होगा संघर्ष : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंहदुर्ग। स्थानीय कुंथुनाथ जैन धैतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में शनिवार को जैन कल्याण मंडप में धर्मसभा को संबोधित करते हुए जैन आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जैन समाज संक्रमणकाल से गुजर रहा है। समाज की संख्या कम होने से मुसीबतें बेसुमार बढ़ती जा रही हैं। समाज का राजनीतिक वर्चस्व तो समाप्त हो गया है, प्रतिनिधित्व भी नहीं है बराबर बचा है। समाज को संरक्षक, शांति, समृद्धि, सद्भावना और सहयोगिता के साथ-साथ रक्षात्मकता और आक्रमकता के गुण भी सीखने होंगे। अकेली अहिंसा और धार्मिकता अब नहीं चल सकती। आने वाले युग में धर्म और समाज को बचाने के लिये संघर्ष करना पड़ेगा। हमें गलत इतिहास पढ़ाया गया है। हमें सही इतिहास जानकर उससे प्रेरणा लेनी चाहिए। शांतिप्रति जैन धैतांबर स्थानकवासी संघ के मुनि नवीनप्रज्जजी ने कहा कि बालकों को ही नहीं, अब तो पालकों को भी पढ़ाने की आवश्यकता है। माता-

पिता और अभिभावकों से भी बालकों को गलत संस्कार मिल रहे हैं। पुराने जमाने में बालक सुनकर सीख लेते थे। जो उन्हें कहते थे, वैसा वे कर लेते थे। आधुनिक जमाने के बालक देखकर सीखते हैं। वे जो देखते हैं, वैसा सीखते हैं, इसलिए यदि घर-परिवार में जो भी गलतियां या दोष होते हैं, वे उनके जीवन में सबसे पहले उतरते हैं। इतनेपरंथ समाज के मुनि हेमकुमारजी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमें गलतियों को सुधारकर जीवन को संवारने का प्रयास करना चाहिए। अगर हमारा दृष्टिकोण सही हो तो जीवन में कदम-कदम पर कुछ न कुछ अच्छा सीखने को मिलता है। अपने व अपने परिवार को परिष्कृत कर हम समाज को उन्नति की राह पर ले जा सकते हैं। गणि पद्मविल सागरजी ने सभी कार्यक्रमों की संयोजना की। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने बालकों से कहा कि धूम्रपान, हुक्का, शराब, ड्रग्स, जुआ, झूठ, चोरी और अपराधों से दूर रहकर ही आप जीवन को सफल बना सकते हो। जब तक जीवन में परिष्कृता न आए, माता-पिता या अभिभावकों के कठोर वचन भी श्रद्धा पूर्वक सुनने चाहिए।



जीतो जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स की बैठक संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जीतो) साउथ लेडीज विंग के जेबीएन स्वयं वी-प्रेन्योर्स की बैठक जीतो कार्यालय में आयोजित हुई। बैठक की थीम थी 'ना कहने की रणनीति'। कार्यक्रम की शुरुआत 30 सेकंड

के व्यावसायिक प्रस्तुतिकरण सत्र से हुई, जिसमें सदस्यों ने अपने व्यावसायिक सिद्धांतों, मूल्यों तथा उन बातों को साझा किया। बैठक का मुख्य आकर्षण कार्तिक सोनेरारा का ज्ञानवर्धक सत्र रहा। उन्होंने व्यवसाय और जीवन में 'कब ना कहना आवश्यक है तथा कब सोच-समझकर हाँ कहकर जोखिम उठाना, सफलता और विकास का मार्ग बन सकता है, इस

विषय पर अपने विचार साझा किए। सदस्यों के लिए जेबीएन-वन ऐप पर एक विशेष प्रशिक्षण सत्र भी आयोजित किया गया, जिसका संचालन मीतू जैन ने किया। इस सत्र में ऐप के प्रभावी उपयोग, व्यवसाय संबंधी जानकारी अपडेट करने तथा विभिन्न फीचर्स का लाभ उठाने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। बैठक में 25 सदस्यों उपस्थित थीं।

कषायों के साथ की गई साधना कभी मोक्ष तक नहीं पहुँचाएगी : डॉ. समकित मुनि

चातुर्मास का स्वागत 'सामूहिक तेले की तपस्या'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। शहर के श्रीरामपुरम में विराजित डॉ. समकितमुनिजी ने अपने दैनिक प्रवचन में व्यवहार शुद्धि का अत्यंत मार्मिक सूत्र दिया। उन्होंने 'कैसे सुनना और कैसे सुनाना' इसकी कला सिखाते हुए कहा कि किसी की बात को इस तरह सुनो कि तुम्हें उसके 'अप्रिय शब्दों' से भी प्रेम हो जाए। तुम्हारे भीतर इतनी सहनशीलता और समभाव होना चाहिए कि कड़वे शब्द भी तुम्हें विचलित न कर सकें। मुनिश्री ने कहा कि अपने मुख से दूसरों को सदैव वही शब्द सुनाओ, जो तुम स्वयं अपने लिए सुनना पसंद करते हो। जो व्यवहार तुम्हें खुद के लिए चुभता है, वह दूसरों के साथ कभी मत करो।

कि जिस प्रकार 'कोल्हू का बैल' दिन भर गोल-गोल घूमता है, वह मीलों का सफर तय कर लेता है, लेकिन शाम को देखा है तो वह वहीं का वहीं खड़ा होता है, वह अपनी मंजिल तक पहुँचता ही नहीं है। ठीक इसी प्रकार, यदि तुम्हारे मन में राग-द्वेष भरा है, तो राग-द्वेष के साथ की गई तुम्हारी हर धार्मिक क्रिया, तपस्या और ज्ञान उस कोल्हू के बैल के समान ही निरर्थक है। मन में द्वेष रखकर की गई बड़ी-बड़ी तपस्याओं और क्रियाओं का परमात्मा के दरबार में कोई मोल नहीं है। प्रवचन का सार बताते हुए कहा कि 'समकित की यात्रा' केवल स्वयं को जानने और अपने भीतर के राग-द्वेष को कम करने की ही यात्रा है। इककथावाचक पवनजी महाराज ने 'बेंगलूर चातुर्मास समिति-2026' की ओर से घोषणा की गई कि इस वर्ष मुनिश्री के ऐतिहासिक चातुर्मास का स्वागत 'सामूहिक तेले की तपस्या' के महा-अनुष्ठान के साथ किया जाएगा। समिति ने समस्त बेंगलूर के सभी संघ से निवेदन किया कि इस ऐतिहासिक चातुर्मास में हर परिवार से कम से कम एक सदस्य 'तेले' की तपस्या का संकल्प अवश्य ले, ताकि चातुर्मास का यह आगाज अभूतपूर्व बन सके। अध्यक्ष ताराचंद गुगलिया ने आभार ज्ञापन दिया और मंत्री अशोक गुगलिया ने संचालन किया।

अब भारत के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' प्रधानमंत्री मोदी हैं : शेखावत

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत का कहना है कि 10-15 साल पहले तक विदेश में भारत की पहचान मुख्य रूप से महात्मा गांधी से जुड़ी थी, लेकिन अब यह बदल गया है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के 'सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर' हैं। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री ने 'पीटीआइ-वीडियो' को दिए एक साक्षात्कार में कहा कि भारत की संस्कृति-इसकी विरासत, त्योहार और व्यंजन - भी देश की पहचान हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत को जिस नजरिए से देखा जाता था, उसमें 'कुछ कमी' थी। इस सप्ताह की शुरुआत में मंत्री ने 'पीटीआइ-वीडियो' से कहा था, '10-15 साल पहले दुनिया के किसी भी देश में जा सकते हैं...

अगर आप दुनिया के किसी भी देश में जाते और किसी व्यक्ति से उसके हिलिए के आधार पर पूछते कि क्या वह भारतीय है, तो वह खुद को भारतीय कहने में हिचकिचाता था। वह अपना परिचय एशियाई के रूप में देता था। फिर अगर आप उससे पूछते कि यह एशिया में कहाँ से है, तब वह कहता कि मैं भारतीय हूँ। मंत्री ने कहा कि इसके पहले अगर कोई पर्यटक विदेश में किसी को बताता कि वह भारतीय है, तो जवाब होता, 'भारत! ओह, श्रीमान गांधी'। शेखावत ने कहा कि भारत की छवि और पहचान 'गांधीजी से जुड़ी हुई थी'। उन्होंने कहा, 'लेकिन आज, और मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ, आप दुनिया के किसी भी देश में जा सकते हैं...

सबसे छोटे कैरेबियन द्वीप से लेकर अमेरिका तक, और दक्षिण एशिया से लेकर पश्चिम एशिया तक, आप कहीं भी जा सकते हैं, और अगर आप किसी को बताएं कि 'मैं भारत से हूँ', तो आप उनके चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान और एक विस्मयबोधक शब्द देखेंगे, 'भारत! ओह, श्रीमान मोदी'। मंत्री ने कहा कि भारत का सबसे बड़ा ब्रांड एंबेसडर कौन है, संस्कृति एवं पर्यटन या बॉलीवुड। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'आजकल हमारे सबसे बड़े ब्रांड एंबेसडर हमारे प्रधानमंत्री हैं।' शेखावत ने कहा, 'वैसे भी, यह कोई राजनीतिक जवाब नहीं है। मैं यह एक आम आदमी के तौर पर कह रहा हूँ।